This question paper contains 4+1 printed pages]

आपका अनुक्रमांक .....

6158

B.A. (Hons.) बी.ए.(ऑनर्स)/I E

HINDI—Paper III

हिंदी—प्रश्नपत्र III

(रीति काव्यधारा)

समय : 3 घण्टे पूर्णांक : 38

(इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए ।)

सभी प्रश्न अनिवार्य हैं ।

1. सप्रसंग व्याख्या कीजिए :

(क) चन्दन मैं नाग, मद भर्‌यो इंद्र नाग, विष

भरो सेसनाग कहै उपमा अबस को ।

P.T.O.

भोर ठहरात न कपूर बहरात, मेघ

सरद उड़ात बात लागे दिसि दस को ।

शंभु नील ग्रीव, भौंर पुंडरीक ही बसत

सरजा सिवा जी सन 'भूषन' सरस को ।

छीरधि मैं पंक, कलानिधि मैं कलंक, याते

रूप एक टंक ए लहैं न तब जस को ॥ 5

अथवा

मंगन मनोरथ के प्रथमहि दाता तोहिं,

कामधेनु कामतरु सो गनाइयतु है ।

याते तेरे गुन सब गाय को सकत कवि,

बुद्धि अनुसार कछु तऊ गाइयतु है ।

'भूषन' भनत साहि तनै सिवराज निज,

बखत बढ़ाय करि तोहि ध्याइयतु है ।

दीनता को डारि और अधीनता बिडारि दीह,

दारिद को मारि तेरे द्वार आइयतु है ।

(ख) जाहिरै जागति सी जमुना जब बूड़ै बहै उमहै वह बैनी।

त्यों 'पद्माकर' हीर के हारनि गंग तरंगन कों सुखदैनी।

पाइ के रंग सों रँगि जाति सी भाँति ही भाँति सरस्वति सैनी।

पैरैं जहाँई जहाँ ब्रज बाल तहाँ तहाँ ताल में होति त्रिबैनी॥ 5.

अथवा

स्वेद को भेद न कोऊ कहै ब्रत आँखिन हूँ अँसुवान

को धारो ।

त्यों 'पद्माकर' देखती हौ तनकौ तन कंप न जात

सँभारो ।

हवैधौं कहा को कहौ गयो यों दिन द्वैक ही तें कछु

ख्याल हमारो ।

कानन में बसी बाँसुरी की धुनि प्रानन में बस्यो

बाँसुरीवारो ॥

P.T.O.

(ग) मोतिन कैसी मनोहर माल गुहै, तुक अच्छर जोरि
मिलावै ।
प्रेम को पंथ कथा हरि नाम की, बात अनूठी बनाय
सुनावै ।
'ठाकुर' सो कवि भावत मोहि जो राजसभा में बड़प्पन
पावै ।
पण्डित लोक प्रबीनन को, जोइ चित्त हरै सो कवित्त
कहावै ॥ 4

अथवा

मित्र-बिछोहा अति कठिन, मति दीजै करतार
बाके गुण जब अति चढ़ै, बर्षत नयन अपार
बर्षत नयन अपार, मेघ सावन झरि लाई
अब बिछुरे कब मिलो, कहो कैसी बनि आई
कह गिरिधर कविराय, सुनो हो विनती एहा
हे करतार दयालु, देह जनि मित्र-बिछोहा ॥

2. भूषण 'वीरगाथा काल' से चली आ रही परंपरा के अंतिम कवि हैं । इस कथन की समीक्षा कीजिए । 8

अथवा

भूषण की काव्य-भाषा पर प्रकाश डालिए ।

3. पद्माकर प्रेम और सौंदर्य के कवि हैं । स्पष्ट कीजिए । 8

अथवा

पद्माकर की काव्य-कला पर विचार कीजिए ।

4. "ठाकुर ने प्रेम को जीवन-मूल्य की तरह बरता है ।" इस कथन से आप कहाँ तक सहमत हैं ? तर्क सहित विवेचना कीजिए । 8

अथवा

"गिरिधर कविराय जीवनानुभव के कवि हैं ।" पाठ्यक्रम में निर्धारित कुण्डलियों के आधार पर इस कथन की पुष्टि कीजिए ।